

小学生课外必读
国学启蒙卷

策划 / 台湾风车编辑群

三字经

图文并茂



文心出版社

小学生课外必读 ◎国学启蒙卷

三字经



策划／台湾风车编辑群



文心出版社

图书在版编目(CIP)数据

三字经/台湾风车编辑群编. —郑州：文心出版社，
2004. 11

ISBN 7-80683-219-X

I. 三… II. 台… III. 汉语拼音—儿童读物
IV. H125. 4

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2004)第 115106 号

著作权合同登记号：图字 16-2004-20

出版社：文心出版社

(地址：郑州市经五路 66 号 邮政编码：450002)

发行单位：河南省新华书店

承印单位：河南第一新华印刷厂

开本：850 毫米×1092 毫米 1/32

印张：4.875

字数：61 千字

版次：2005 年 1 月第 1 版 印次：2005 年 9 月第 2 次印刷

书号：ISBN 7-80683-219-X/G·1145 定价：13.80 元

出版说明

新的素质教育形势，对小学生各方面的教育提出了更高的要求，其中，中华民族优秀传统文化教育是小学生德育、美育及智育不可或缺的一项内容。中国国学博大精深，璀璨夺目，虽然历时久远，但仍具有极强的阅读价值和深刻的教育意义。综观现有的小学生课外阅读材料，全面而系统地引导小朋友接受传统文化教育的书籍寥寥可数，几近于无。为填补这一空白，本社有针对性地引进了台湾风车图书出版有限公司出版的这套浅显易懂、清雅晓畅的国学作品。这套书着眼于小学生的素质教育，重在启发引导，使小朋友通过对作品的朗诵、阅读，既能开拓视野，提高阅读、写作和鉴赏能力，又能于潜移默化中接受古典文化的熏陶，规范自己的言行，树立正确的世界观、人生观和价值观，增强自己的审美底蕴和人文意识。

序 文

《三字经》一书在民间流传已久，内容涵盖的范围非常广泛。《三字经》虽然字数不多，可是内容不仅包括文学、历史、义理等含意，更能使小朋友在简短又押韵的文字中琅琅上口，便于记忆。

《三字经》的作者到底是谁？有一种说法是由宋朝王应麟先生所著。另一种说法是由宋朝末年的区适子所写的，再由黎贞加以补充完成，这种说法较为正确。

《三字经》到了后代仍有增定，也将一些内容稍加修改，目的在于希望《三字经》能够维持其言简意赅的标准，让小朋友能有更正确的认识。

《三字经》，是入学前的儿童必须要诵读的一本书。本书内文是安排三个字为一句，而且非常注意每一句的音韵，让小朋友们能借由朗读将内容深刻地留在脑海中。

《三字经》的内容，不断地强调勤奋向学对人的重要性，也提醒人们中国固有的传统道德礼节，不仅可以教导小朋友从小培养正确的观念，对于儿童的启蒙教育，更是有极大的贡献。本书经过重新整理、说明，而且加进了

数十幅精美的插图，让小朋友能摆脱经文的枯燥，而在轻松又有趣的情况下学习《三字经》。

像《三字经》这样的好书，我们尽可能不要让小朋友们错过了学习的时机。



目 录

| | | | | |
|-----|-----|-----|-----|------------|
| 人之初 | 性本善 | 性相近 | 习相远 | |
| 苟不教 | 性乃迁 | 教之道 | 贵以专 | (1) |
| 昔孟母 | 择邻处 | 子不学 | 断机杼 | |
| 窦燕山 | 有义方 | 教五子 | 名俱扬 | (3) |
| 养不教 | 父之过 | 教不严 | 师之情 | |
| 子不学 | 非所宜 | 幼不学 | 老何为 | (6) |
| 玉不琢 | 不成器 | 人不学 | 不知义 | |
| 为人子 | 方少时 | 亲师友 | 习礼仪 | (9) |
| 香九龄 | 能温席 | 孝于亲 | 所当执 | |
| 融四岁 | 能让梨 | 弟于长 | 宜先知 | (12) |
| 首孝弟 | 次见闻 | 知某数 | 识某文 | |
| 一而十 | 十而百 | 百而千 | 千而万 | (15) |
| 三才者 | 天地人 | 三光者 | 日月星 | |
| 三纲者 | 君臣义 | 父子亲 | 夫妇顺 | (18) |





| | | | | |
|-----|-----|-----|-----|----------|
| 曰春夏 | 曰秋冬 | 此四时 | 运不穷 | |
| 曰南北 | 曰西东 | 此四方 | 应乎中 | ……… (21) |
| 曰水火 | 木金土 | 此五行 | 本乎数 | |
| 十干者 | 甲至癸 | 十二支 | 子至亥 | ……… (24) |
| 曰黄道 | 日所躔 | 曰赤道 | 当中权 | |
| 赤道下 | 温暖极 | 我中华 | 在东北 | ……… (27) |
| 曰江河 | 曰淮济 | 此四渎 | 水之纪 | |
| 曰岱华 | 嵩恒衡 | 此五岳 | 山之名 | ……… (29) |
| 曰士农 | 曰工商 | 此四民 | 国之良 | |
| 曰仁义 | 礼智信 | 此五常 | 不容紊 | ……… (32) |
| 地所生 | 有草木 | 此植物 | 遍水陆 | |
| 有虫鱼 | 有鸟兽 | 此动物 | 能飞走 | ……… (35) |
| 稻粱菽 | 麦黍稷 | 此六谷 | 人所食 | |
| 马牛羊 | 鸡犬豕 | 此六畜 | 人所饲 | ……… (38) |
| 曰喜怒 | 曰哀惧 | 爱恶欲 | 七情具 | |
| 青赤黄 | 及黑白 | 此五色 | 目所识 | ……… (40) |
| 酸苦甘 | 及辛咸 | 此五味 | 口所含 | |
| 膻焦香 | 及腥朽 | 此五臭 | 鼻所嗅 | ……… (42) |
| 匏土革 | 木石金 | 丝与竹 | 乃八音 | |





目录

| | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-------|------|
| 曰平上 | 曰去入 | 此四声 | 宜调协 | | (44) |
| 高曾祖 | 父而身 | 身而子 | 子而孙 | | |
| 自子孙 | 至玄曾 | 乃九族 | 人之伦 | | (47) |
| 父子恩 | 夫妇从 | 兄则友 | 弟则恭 | | |
| 长幼序 | 友与朋 | 君则敬 | 臣则忠 | | (50) |
| 此十义 | 人所同 | 当顺叙 | 勿违背 | | |
| 斩齐衰 | 大小功 | 至缌麻 | 五服终 | | (53) |
| 礼乐射 | 御书数 | 古六艺 | 今不具 | | |
| 惟书学 | 人共遵 | 既识字 | 讲说文 | | (55) |
| 有古文 | 大小篆 | 隶草继 | 不可乱 | | |
| 若广学 | 惧其繁 | 但略说 | 能知原 | | (58) |
| 凡训蒙 | 须讲究 | 详训诂 | 明句读 | | |
| 为学者 | 必有初 | 小学终 | 至四书 | | (61) |
| 论语者 | 二十篇 | 群弟子 | 记善言 | | |
| 孟子者 | 七篇止 | 讲道德 | 说仁义 | | (63) |
| 作中庸 | 乃孔伋 | 中不偏 | 庸不易 | | |
| 作大学 | 乃曾子 | 自修齐 | 至平治 | | (65) |
| 孝经通 | 四书熟 | 如六经 | 始可读 | | |
| 诗书易 | 礼春秋 | 号六经 | 当讲求 | | (67) |





| | | | | |
|-----|-----|-----|-----|------------|
| 有连山 | 有归藏 | 有周易 | 三易详 | |
| 有典谟 | 有训诰 | 有誓命 | 书之奥 | (70) |
| 我周公 | 作周礼 | 著六官 | 存治体 | |
| 大小戴 | 注礼记 | 述圣言 | 礼乐备 | (73) |
| 曰国风 | 曰雅颂 | 号四诗 | 当讽咏 | |
| 诗既亡 | 春秋作 | 寓褒贬 | 别善恶 | (75) |
| 三传者 | 有公羊 | 有左氏 | 有谷梁 | |
| 经既明 | 方读子 | 撮其要 | 记其事 | (77) |
| 五子者 | 有荀扬 | 文中子 | 及老庄 | |
| 经子通 | 读诸史 | 考世系 | 知终始 | (80) |
| 自羲农 | 至黄帝 | 号三皇 | 居上世 | |
| 唐有虞 | 号二帝 | 相揖逊 | 称盛世 | (82) |
| 夏有禹 | 商有汤 | 周文武 | 称三王 | |
| 夏传子 | 家天下 | 四百载 | 迁夏社 | (84) |
| 汤伐夏 | 国号商 | 六百载 | 至纣亡 | |
| 周武王 | 始诛纣 | 八百载 | 最长久 | (87) |
| 周辙东 | 王纲坠 | 逞干戈 | 尚游说 | |
| 始春秋 | 终战国 | 五霸强 | 七雄出 | (89) |
| 嬴秦氏 | 始兼并 | 传二世 | 楚汉争 | |



| | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| 高祖兴 | 汉业建 | 至孝平 | 王莽篡 | ……… | (91) |
| 光武兴 | 为东汉 | 四百年 | 终于献 | | |
| 魏蜀吴 | 争汉鼎 | 号三国 | 迄两晋 | ……… | (93) |
| 宋齐继 | 梁陈承 | 为南朝 | 都金陵 | | |
| 北元魏 | 分东西 | 宇文周 | 与高齐 | ……… | (96) |
| 迨至隋 | 一土宇 | 不再传 | 失统绪 | | |
| 唐高祖 | 起义师 | 除隋乱 | 创国基 | ……… | (98) |
| 二十传 | 三百载 | 梁灭之 | 国乃改 | | |
| 梁唐晋 | 及汉周 | 称五代 | 皆有由 | ……… | (100) |
| 炎宋兴 | 受周禅 | 十八传 | 南北混 | | |
| 辽与金 | 皆称帝 | 元灭金 | 绝宋世 | ……… | (101) |
| 舆图广 | 超前代 | 九十年 | 国祚废 | | |
| 太祖兴 | 国大明 | 号洪武 | 都金陵 | ……… | (103) |
| 迨成祖 | 迁燕京 | 十六世 | 至崇祯 | | |
| 权阉肆 | 寇如林 | 李闯出 | 神器焚 | ……… | (106) |
| 清世祖 | 膺景命 | 靖四方 | 克大定 | | |
| 由康熙 | 历乾嘉 | 民安富 | 治绩夸 | ……… | (109) |
| 道咸间 | 变乱起 | 始英法 | 扰都鄙 | | |
| 同光后 | 宣统弱 | 传九帝 | 满清歿 | ……… | (111) |





| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|
| 革 | 命 | 兴 | 废 | 帝 | 制 | 立 | 宪 | 法 | 建 | 民 | 国 |
| 古 | 今 | 史 | 全 | 在 | 兹 | 裁 | 治 | 乱 | 知 | 兴 | 衰 |
| 史 | 虽 | 繁 | 读 | 有 | 次 | 史 | 记 | 一 | 汉 | 书 | 二 |
| 后 | 汉 | 三 | 国 | 志 | 四 | 兼 | 证 | 经 | 参 | 通 | 鉴 |
| 读 | 史 | 者 | 考 | 实 | 录 | 通 | 古 | 今 | 若 | 亲 | 目 |
| 口 | 而 | 诵 | 心 | 而 | 惟 | 朝 | 于 | 斯 | 夕 | 于 | 斯 |
| 昔 | 仲 | 尼 | 师 | 项 | 橐 | 古 | 圣 | 贤 | 尚 | 勤 | 学 |
| 赵 | 中 | 令 | 读 | 鲁 | 论 | 彼 | 既 | 仕 | 学 | 且 | 勤 |
| 披 | 蒲 | 编 | 削 | 竹 | 简 | 彼 | 无 | 书 | 且 | 知 | 勉 |
| 头 | 悬 | 梁 | 锥 | 刺 | 股 | 彼 | 不 | 教 | 自 | 勤 | 苦 |
| 如 | 囊 | 萤 | 如 | 映 | 雪 | 家 | 虽 | 贫 | 学 | 不 | 辍 |
| 如 | 负 | 薪 | 如 | 挂 | 角 | 身 | 虽 | 劳 | 犹 | 苦 | 卓 |
| 苏 | 老 | 泉 | 二 | 十七 | | 始 | 发 | 愤 | 读 | 书 | 籍 |
| 彼 | 既 | 老 | 犹 | 悔 | 迟 | 尔 | 小 | 生 | 宜 | 早 | 思 |
| 若 | 梁 | 灏 | 八 | 十 | 二 | 对 | 大 | 廷 | 魁 | 多 | 士 |
| 彼 | 既 | 成 | 众 | 称 | 异 | 尔 | 小 | 生 | 宜 | 立 | 志 |
| 莹 | 八 | 岁 | 能 | 咏 | 诗 | 泌 | 七 | 岁 | 能 | 赋 | 棋 |
| 彼 | 颖 | 悟 | 人 | 称 | 奇 | 尔 | 幼 | 学 | 当 | 效 | 之 |
| 蔡 | 文 | 姬 | 能 | 辨 | 琴 | 谢 | 道 | 韫 | 能 | 咏 | 吟 |





| | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| 彼女子 | 且聪敏 | 尔男子 | 当自警 | ……… | (133) |
| 唐刘晏 | 方七岁 | 举神童 | 作正字 | | |
| 彼虽幼 | 身已仕 | 有为者 | 亦若是 | ……… | (135) |
| 犬守夜 | 鸡司晨 | 苟不学 | 曷为人 | | |
| 蚕吐丝 | 蜂酿蜜 | 人不学 | 不如物 | ……… | (137) |
| 幼而学 | 壮而行 | 上致君 | 下泽民 | | |
| 扬名声 | 显父母 | 光子前 | 裕于后 | ……… | (138) |
| 人遗子 | 金满籯 | 我教子 | 惟一经 | | |
| 勤有功 | 戏无益 | 戒之哉 | 宜勉力 | ……… | (140) |





人之初① 性② 本 善
性③ 相 近 习④ 相 远⑤
苟⑥ 不 教 性 乃 迁⑦
教 之 道⑧ 贵⑨ 以 专⑩

《原文第1段》





【注释】

- ①初：开始，指刚出生的时候。
- ②性：本性。
- ③情：性情。
- ④习：学习。
- ⑤远：差别。
- ⑥苟：如果。
- ⑦迁：改变。
- ⑧道：方法。
- ⑨贵：注重。
- ⑩专：指专心一致，一心一意。

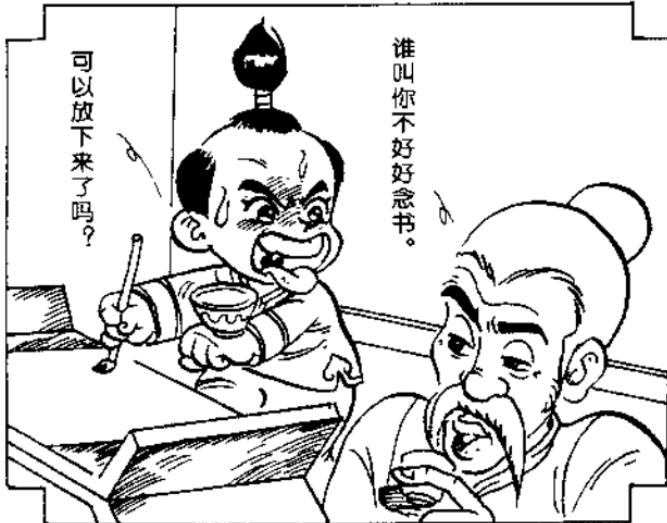
【解释】

- ◆一个人刚生下来的时候，本性都是善良的。
- ◆长大之后却因为学习环境的不同，性情开始不一样，而有了差别。
- ◆所以，如果在孩子小的时候不去好好地教育他，那善良的本性就会渐渐改变而变坏。
- ◆重要的是，要用什么方法来教育小孩子呢？就必须用“专心一致，一心一意”的方法去教育小





孩子。



xi mèng mǔ zé lín chǔ
昔①孟母② 择邻处
zǐ bù xué duàn jī zhù
子不学 断机杼④
dòu yān shān yǒu yì fāng
窦燕山⑤ 有义方⑥